— दैनिक समाचार पत्र —

सुमन पत्रिका

वर्ष: 03 अंक:149 | मूल्य: 2.00 रुपए | मंगलवार 02 जून 2026 | पृष्ठ: 4

भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार की नियुक्ति पर प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जताया हर्ष

भाजपा को मिला अनुभवी संगठनकर्ता, अजेय कुमार के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में राजस्थान संगठन होगा और अधिक सशक्तः मुख्यमंत्री

अनुभव, अनुशासन और संगठन क्षमता का सम्मान, अजेय कुमार जी के नेतृत्व में राजस्थान में संगठन को मिलेगी नई गति:– मदन राठौड़

जयपुर

भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा वरिष्ठ संगठनकर्ता एवं उत्तराखंड भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार को राजस्थान भाजपा का प्रदेश महामंत्री (संगठन) नियुक्त किए जाने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि अजेय कुमार का संगठनात्मक अनुभव, कार्यकर्ताओं के प्रति समर्पण तथा कुशल नेतृत्व राजस्थान भाजपा संगठन को नई ऊर्जा एवं मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके मार्गदर्शन में भारतीय जनता पार्टी राजस्थान संगठन नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा तथा संगठन विस्तार और जनसेवा के कार्यों को और अधिक गति मिलेगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार के संगठनात्मक अनुभव और कुशल नेतृत्व में प्रदेश संगठन और अधिक सशक्त होगा। राजनीतिक एवं संगठनात्मक क्षेत्रों में अजेय कुमार को एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में जाना जाता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में वर्ष 1997 में श्रीनगर गढ़वाल से सार्वजनिक जीवन की शुरुआत करने वाले अजेय कुमार ने संघ और भाजपा संगठन में विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया है। श्रीनगर, हरिद्वार एवं हल्द्वानी में नगर प्रचारक, ऊधमसिंह नगर में जिला प्रचारक तथा अल्मोड़ा विभाग के विभाग प्रचारक के रूप में कार्य करने के बाद उन्होंने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मुरादाबाद एवं बिजनौर विभाग के विभाग प्रचारक के रूप में भी संगठन को मजबूत किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि इसके उपरांत उन्होंने मेरठ प्रांत के प्रांत बौद्धिक शिक्षण प्रमुख के रूप में कार्यकर्ताओं का वैचारिक मार्गदर्शन किया। वर्ष 2018 में उन्हें भाजपा पश्चिमी उत्तर प्रदेश का क्षेत्रीय महामंत्री (संगठन) नियुक्त किया गया। वर्ष 2019 से अब तक वे उत्तराखंड भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) के रूप में संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। उत्तराखंड में उनके कार्यकाल के दौरान भाजपा संगठन ने अनुशासन, विस्तार, कार्यकर्ता संवाद, सदस्यता अभियान, प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा राष्ट्रीय अभियानों के प्रभावी क्रियान्वयन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। संगठन और सरकार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने, बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने तथा दूरस्थ क्षेत्रों तक संगठनात्मक गतिविधियों का विस्तार करने में उनकी भूमिका को व्यापक सराहना मिली।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश महामंत्री संगठन की नियुक्ति पर उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राजस्थान जैसे राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण प्रदेश में प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार की नियुक्ति उनके संगठनात्मक कौशल, प्रभावी नेतृत्व क्षमता और परिणाम देने वाली कार्यशैली की राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृति है। यह निर्णय भाजपा नेतृत्व के उस विश्वास को भी दर्शाता है कि अनुभवी एवं सक्षम संगठनकर्ता ही संगठन को नई दिशा और नई ऊर्जा प्रदान कर सकते हैं। भाजपा परिवार ने विश्वास व्यक्त किया है कि अजेय कुमार के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में राजस्थान भाजपा संगठन और अधिक सशक्त, सक्रिय एवं जनोन्मुखी बनेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आपके सफल, यशस्वी एवं गौरवपूर्ण कार्यकाल हेतु हार्दिक मंगलकामनाएं! आपके व्यापक संगठनात्मक अनुभव, कार्यकुशलता एवं समर्पित नेतृत्व में प्रदेश संगठन और अधिक सशक्त होगा। इसके साथ ही भाजपा की विचारधारा, संगठन विस्तार और जनसेवा के संकल्प को नई ऊर्जा प्राप्त होगी। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, सुरेंद्र पाल सिंह टीटी, नाहर सिंह जोधा, ज्योति मिर्धा, अल्का मूंदडा, सरिता गेना, बिहारी लाल विश्नोई, छगन माहुर, हकरू भाई मईडा, भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, भूपेंद्र सैनी, कैलाश मेघवाल, मिथिलेश गौतम सहित प्रदेश पदाधिकारियों तथा प्रदेश कार्यकर्ताओं ने संगठन महामंत्री की नियुक्त पर हर्ष व्यक्त किया।

विधानसभाओं में तेजी से बिल पास करने का चलन बढ़ा

औसतन विधानसभाएं सिर्फ 24 दिन चलीं; 30% विधेयक एक दिन में पास

जयपुर।

राज्यों की विधानसभाओं में तेजी से बिल पास करने का चलन बढ़ा है। पीआरएस लेजिस्लेटिव की रिपोर्ट के मुताबिक 2025 में 30' विधेयक उसी दिन पारित कर दिए गए, जिस दिन उन्हें सदन में पेश किया गया। औसतन विधानसभाएं सिर्फ 24 दिन चलीं।

बजट पर औसतन 8 दिन चर्चा

2025 में विधानसभाओं में बजट पर औसतन 8 दिन चर्चा हुई। तमिलनाडु में बजट पर 27 दिन बहस चली। पंजाब ने बजट चर्चा सिर्फ 2 दिन में खत्म की।

1950 के दशक में 90-120 दिन चलती थी विधानसभा

1950 के दशक में भारत में राज्य विधानसभाओं का कामकाज काफी सक्रिय और लंबा होता था। उस दौर में देश की विधानसभाएं साल में औसतन 60 से 70 दिन तक चलती थीं। उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और मद्रास (अब तमिलनाडु) जैसे बड़े राज्यों की विधानसभाओं की बैठकें साल में 90 से 120 दिन से भी अधिक समय के लिए बुलाई जाती थीं।

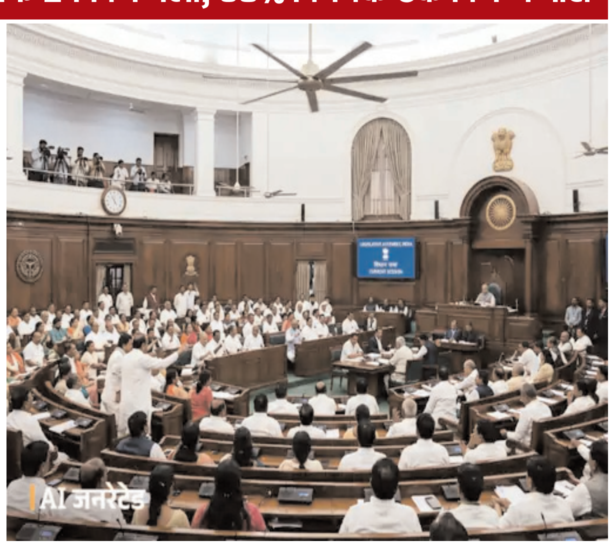

भैराणा-धाम-आंदोलन में नया मोड़, संतों ने राजनीति से बनाई दूरी:सरकार से सीधे बातचीत पर भरोसा, बेनीवाल ने लगाए दबाव के आरोप

जयपुर

बिचून के पास दादूधाम भैराणा में प्रस्तावित रीको औद्योगिक क्षेत्र को लेकर चल रहे विवाद में सोमवार को नया मोड़ आ गया। एक ओर भैराणा धाम संघर्ष समिति ने प्रशासन के साथ हुई बातचीत को सकारात्मक बताते हुए सरकार से सीधे संवाद जारी रखने की बात कही, वहीं आंदोलन के मंच से हुई राजनीतिक बयानबाजी से खुद को अलग कर लिया। दूसरी तरफ आरएलपी प्रमुख और सांसद हनुमान बेनीवाल ने सरकार पर समझौते के बाद भी कार्रवाई नहीं करने और संतों पर दबाव बनाने के आरोप लगाए।

सोमवार को जयपुर में दिनभर कई स्तर पर बैठकें और बातचीत हुईं। संघर्ष समिति ने कहा कि उनकी मांग भैराणा धाम और आसपास के पर्यावरण की सुरक्षा है। वहीं सरकार की ओर से भी संतों के साथ बातचीत कर समाधान निकालने के संकेत दिए गए। इस बीच क्षेत्र के विकास के समर्थन में आसपास के गांवों के लोगों ने भी जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर रीको परियोजना का काम शुरू कराने की मांग की।

राजनीति से दूरी, सरकार से बातचीत जारी

जौहरी बाजार में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में संघर्ष समिति के व्यवस्थापक हरिओम स्वामी ने कहा कि 27 मई को आंदोलन के मंच से जो राजनीतिक बयान दिए गए थे, उनसे संत समाज सहमत नहीं है। उन्होंने कहा कि संत समाज अपनी बात सरकार और प्रशासन के सामने सीधे रखेगा और बातचीत के जरिए समाधान चाहता है। उन्होंने कहा कि उनकी मांग स्पष्ट है कि भैराणा धाम और आसपास के क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि वे विकास के विरोधी नहीं हैं और पर्यावरण तथा विकास दोनों के बीच संतुलित समाधान चाहते हैं।

26 मई की सहमति पर आगे बढ़ाने की कोशिश

हरिओम स्वामी ने कहा कि 26 मई को जिला प्रशासन के साथ हुई बातचीत में कई बिंदुओं पर सहमति बनी थी। सोमवार को हुई चर्चा में भी उन्हीं बिंदुओं को आगे बढ़ाने और व्यावहारिक समाधान निकालने पर बात हुई। उन्होंने बताया कि जल्द ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मिलने का समय भी मांगा जाएगा।

प्रशासन से बातचीत हुई लेकिन आंदोलन जारी रहेगा

जयपुर कलेक्ट्रेट में हुई बातचीत में जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश, जिला कलेक्टर संदेश नायक और एसपी हनुमान मीणा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। संघर्ष समिति के सचिव संत रामरतन दास ने कहा कि बातचीत सकारात्मक रही, लेकिन अभी तक कोई लिखित आदेश या ठोस आश्वासन नहीं मिला है। इसलिए आंदोलन फिलहाल जारी रहेगा। शाम को गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म की मौजूदगी में संतों के साथ बैठक हुई। बैठक में इस मामले के समाधान के लिए कैबिनेट सब-कमेटी के गठन पर भी चर्चा हुई। बेढ़म ने कहा कि मुख्यमंत्री का सनातन पर गहरा विश्वास है और सरकार संत समाज की भावनाओं का सम्मान करती है।

कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर 6 जून को भारत लौटेंगे

नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके 6 जून को भारत लौटेंगे। इसके बाद वे दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे। इस प्रदर्शन में वे शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग करेंगे। दिपके ने इसकी जानकारी अपने ङ्ग अकाउंट 'कॉकरोच इज बैक' पर दी है। कॉकरोच जनता पार्टी एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है, जो भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत की हालिया कॉकरोच टिप्पणी के बाद सामने आया। CJP के इंस्टाग्राम पर 2 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स हैं।

30 साल के अभिजीत दिपके महाराष्ट्र के संभाजी नगर के रहने वाले डिजिटल मीडिया स्ट्रैटेजिस्ट हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिजीत ने पुणे से पत्रकारिता की पढ़ाई की है। फिलहाल वो अमेरिका की बोस्टन यूनिवर्सिटी में पब्लिक रिलेशन से मास्टर्स की पढ़ाई कर रहे हैं। अभिजीत 2020 से 2022 तक केजरीवाल की आम आदमी पार्टी के सोशल मीडिया स्ट्रैटेजिस्ट रहे हैं। 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में अभिजीत AAP के लिए वायरल मीम बेस्ड ऑनलाइन प्रचार का मटेरियल बनाते थे।

एक इंटरव्यू में अभिजीत ने बताया कि उन्होंने निजी जिंदगी और आर्थिक स्थिरता के लिए AAP छोड़कर बोस्टन यूनिवर्सिटी में अप्लाई किया था। एडमिशन मिल गया, तो वे अमेरिका शिफ्ट हो गए।अभिजीत किसान आंदोलन से लेकर महंगाई जैसे राजनीतिक मुद्दों पर ङ्ग अकाउंट पर केंद्र सरकार और पीएम पर निशाना साधते रहे हैं।

उत्तराखंड में भारत-चीन व्यापार के लिए ट्रेड पास ऑफिस खुला:पहले दिन 20 आवेदन

पिथौरागढ़

उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे से सात साल बाद भारत-चीन (तिब्बत) व्यापार फिर शुरू होने जा रहा है। इसके लिए विदेश मंत्रालय से 300 ट्रेड पास मिलने के बाद सोमवार को धारचूला में ट्रेड कार्यालय खोल दिया गया। जिसके बाद पहले ही दिन 20 व्यापारियों ने आवेदन किया। साथ ही गुंजी में कस्टम कार्यालय और बैंक शाखा भी शुरू हो गई है।

खास बात यह है कि व्यापारियों को मिलने वाला भारत-तिब्बत ट्रेड पास सामान्य पासपोर्ट की तरह विदेश यात्रा के लिए नहीं, बल्कि सीमित अवधि और तय सीमा क्षेत्र में व्यापार के लिए जारी किया जाने वाला विशेष अनुमति-पत्र है।

व्यास घाटी स्थित लिपुलेख दर्रे से सदियों से भारत-तिब्बत के बीच परंपरागत व्यापार होता रहा है। पहले तिब्बती व्यापारी नमक, ऊन और भेड़ लेकर भारत आते थे, जबकि भारतीय व्यापारी तिब्बत की तकलाकोट मंडी में गुड़, मिश्री, अनाज और मसाले लेकर जाते थे। 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद यह व्यापार बंद हो गया था। वर्ष 1991 में इसे फिर शुरू किया गया, लेकिन पिछले सात वर्षों से कारोबार ठप पड़ा था। अब प्रशासनिक तैयारियां पूरी होने के बाद एक बार फिर व्यापारिक गतिविधियां शुरू होने की राह साफ हो गई है।

ट्रेड ऑफिस खुला, पहले दिन 20 आवेदन पहुंचे

धारचूला में ट्रेड अधिकारी एवं उपजिलाधिकारी आशीष जोशी ने रिबन काटकर ट्रेड कार्यालय का उद्घाटन किया। कार्यालय खुलते ही भारत-तिब्बत व्यापार के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई। पहले ही दिन 20 व्यापारियों ने ट्रेड पास के लिए आवेदन किया। अधिकारियों ने व्यापारियों के साथ बैठक कर व्यापार से जुड़ी व्यवस्थाओं और नियमों की जानकारी भी दी।

एसआईबी जांच के बाद जारी होंगे ट्रेड पास

उपजिलाधिकारी आशीष जोशी ने बताया कि सभी आवेदनों की वाणिज्य कर विभाग की एसआईबी (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन ब्रांच) जांच कराई जाएगी। सुरक्षा और अन्य औपचारिक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद ही व्यापारियों को ट्रेड पास जारी किए जाएंगे। प्रशासन का कहना है कि व्यापार संचालन के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

गुंजी में कस्टम ऑफिस और बैंक शाखा शुरू

जिलाधिकारी आशीष भटगांई के अनुसार भारत-चीन व्यापार को देखते हुए धारचूला से 72 किलोमीटर दूर गुंजी में कस्टम कार्यालय, बैंक शाखा और अन्य जरूरी कार्यालय शुरू कर दिए गए हैं। आयात-निर्यात होने वाले सामान की जांच यहीं होगी। सुरक्षा, संचार और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को भी अंतिम रूप दे दिया गया है।

नेपाली हेल्परों को अनुमति देने की मांग

भारत-चीन व्यापार समिति के अध्यक्ष जीवन सिंह रोंकली ने शासन और प्रशासन से नेपाली हेल्परों को साथ ले जाने की अनुमति देने की मांग की है। उनका कहना है कि भारत में पर्याप्त संख्या में हेल्पर नहीं मिल पाते, जबकि नेपाल में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। समिति के महासचिव दौलत सिंह रायपा ने सात साल बाद व्यापार शुरू होने पर केंद्र और राज्य सरकार का आभार जताया।

सम्पादकीय

"मानवता सुख शांति प्रेम का, अखिल विश्व में हो विस्तारस्वतंत्रता का हनन न होवे, रहे सुरक्षित जन अधिकार"

नासूर बना गतिरोध

अमेरिका और ईरान में कोई समझौता होने की संभावनाओं के बीच जिस तरह दोनों किसी सहमति पर भी पहुंचते नहीं दिख रहे हैं, उससे किसी के लिए भी कहना कठिन है कि बातचीत सही दिशा में चल रही है और पश्चिम एशिया संकट शीघ्र समाप्त होने वाला है। पिछले लगभग एक माह से कभी अमेरिका वार्ता के सही दिशा में जारी रहने की घोषणाएं करता है तो कभी ईरान अपने रुख में नरमी दिखाता है, लेकिन परिणाम शून्य है। बीच-बीच में अमेरिका और ईरान, दोनों एक-दूसरे को धमकी भी देते रहते हैं। साफ है कि दोनों का एक-दूसरे के प्रति गहरा अविश्वास है और कथित तौर पर मध्यस्थता कर रहा पाकिस्तान संदेशों का आदान-प्रदान करने के अतिरिक्त और कुछ करने की स्थिति में नहीं। इसका कोई खास मतलब नहीं कि दोनों देशों में युद्धविराम कायम है, क्योंकि वह होर्मुज समुद्री मार्ग बाधित ही है, जिससे विश्व के पांचवें हिस्से की ऊर्जा आपूर्ति होती है। यह आपूर्ति करीब-करीब ठप होने के कारण ऊर्जा संकट गहरा गया है और उसका बुरा असर अमेरिका समेत सभी देशों की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। अब ट्रंप के उन दावों पर भरोसा करना कठिन हो रहा है कि ईरान समझौते के लिए तैयार है। वैसे समझौता न हो पाने के लिए केवल अमेरिका को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि ईरान भी इस जिद पर अड़ा है कि वह होर्मुज पर अपना आधिपत्य नहीं छोड़ेगा और अपने संवर्धित यूरेनियम को लेकर कोई समझौता नहीं करेगा। इसका अर्थ है कि वह परमाणु हथियार बनाने के इरादे का परित्याग नहीं करना चाहता। इसे कोई भी नहीं चाहेगा कि ईरान परमाणु हथियार बनाने की क्षमता हासिल करे। उसे न केवल परमाणु हथियार हासिल करने के इरादे को छोड़ना होगा, बल्कि होर्मुज पर नियंत्रण रखने की जिद भी छोड़नी होगी। होर्मुज एक स्वतंत्र समुद्री मार्ग है और ईरान को यह अधिकार नहीं दिया जा सकता कि वह उसे अपनी निजी जागीर समझ ले अथवा वहां से गुजरने वाले जहाजों से टैक्स वसूले। यह अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों की अवहेलना करने वाली जिद है। ईरान यह दिखा रहा है कि पश्चिम एशिया संकट जारी रहने से उसकी सेहत पर कोई असर नहीं पड़ रहा है, पर सच यह है कि वह आर्थिक तबाही के मुहाने पर है। ऐसे में उसे अपनी जिद छोड़नी चाहिए। बदले में अमेरिका को भी उसे यह भरोसा दिलाना होगा कि उस पर फिर हमला नहीं होगा। दोनों देशों को यह समझना होगा कि उनके बीच का गतिरोध विश्व अर्थव्यवस्था के लिए नासूर बन गया है। बहुत हो चुका। अब यह गतिरोध टूटना चाहिए, क्योंकि पश्चिम एशिया संकट विश्व के करोड़ों लोगों को प्रभावित कर रहा है। लोगों की रोजी-रोटी पर ही संकट नहीं है, वे गरीबी के दुष्चक्र से भी घिरते जा रहे हैं।

> अमेरिका और ईरान के बीच गतिरोध गहराता जा रहा है, जिससे पश्चिम एशिया संकट और वैश्विक अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है।

जवाबदेही का अभाव

नीट प्रकरण की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह बिल्कुल सही कहा कि इस परीक्षा के पेपर लीक होने पर जवाबदेही तय हो। यदि ऐसा नहीं होता तो यह दुर्भाग्यपूर्ण ही होगा, क्योंकि नीट के पेपर लीक होने के कारण 22 लाख से अधिक छात्र दोबारा परीक्षा देने के लिए विवश हैं। पेपर लीक के कारण छात्रों को परेशानी उठाने के साथ ही उनके भरोसे को भी ठेस पहुंची है। इसके अतिरिक्त शिक्षा मंत्रालय भी सवालों के घेरे में आया है। सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल कालेजों में प्रवेश की परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था एनटीए यानी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को संघ लोक सेवा आयोग अर्थात यूपीएससी से सीख लेने को भी कहा। कायदे से तो इस नसीहत की जरूरत ही नहीं पड़नी चाहिए थी। एनटीए को तो यह सीख स्वत: लेनी चाहिए थी और शिक्षा मंत्रालय को देखना चाहिए था कि ऐसा हो। आखिर इस एजेंसी का गठन ही इसलिए किया गया था, ताकि वह नीर-क्षीर ढंग से परीक्षाएं आयोजित करा सके। यह शर्मनाक है कि इस मामले में एनटीए का रिकार्ड अच्छा नहीं रहा। यह एक तथ्य है कि पहले भी नीट के आयोजन में गड़बड़ी हो चुकी है और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है। यह निराशाजनक है कि एनटीए के कामकाज में सुधार के लिए गठित राधाकृष्णन समिति की सिफारिशों को प्राथमिकता के आधार पर लागू नहीं किया गया। शायद इसी का दुष्परिणाम रहा कि नीट के पेपर लीक हो गए। आखिर जब राधाकृष्णन समिति ने अक्टूबर 2024 में ही अपनी सिफारिशें सौंप दी थीं तो उन सभी पर द्रुत गति से अमल क्यों नहीं किया गया? इस समिति ने यह पाया था कि एनटीए अपने तमाम काम आउटसोर्स करती है और उसके अधिकांश कर्मचारी संविदा पर हैं। उसने कंप्यूटर आधारित परीक्षाएं कराने को भी कहा था। समझना कठिन है कि इस स्थिति को बदला क्यों नहीं जा सका? आखिर ऐसी किसी संस्था के गठन का क्या औचित्य, जो अपना काम अपने स्तर पर करने में सक्षम न हो? एनटीए को नीट जैसी परीक्षाएं कराने के लिए अपना तंत्र उसी तरह विकसित करना चाहिए था, जैसे रेल मंत्रालय के आरआईटीईएस यानी राइट्स ने, शहरी विकास मंत्रालय के एनबीसीसी ने, रिजर्व बैंक एवं भारतीय बैंक संघ के तहत एनपीसीआइ ने या फिर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने किया है।

क्या एआई मानवता के महाविनाश का कारण बनेगी?

ललित गर्ग

निश्चित रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, बैंकिंग, व्यापार, प्रशासन और संचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन किए हैं। रोगों के निदान से लेकर वित्तीय प्रबंधन तक और शिक्षा से लेकर अनुसंधान तक, इसकी उपयोगिता निर्विवाद है। लेकिन हर तकनीकी क्रांति अपने साथ संकट भी लाती है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं रह गई है, बल्कि वह मानव सभ्यता के भविष्य का निर्णायक मोड़ बनती जा रही है। जिस गति से यह तकनीक विकसित हुई है, उसने दुनिया को आश्चर्यचकित भी किया है और चिंतित भी। अभी तक विज्ञान और तकनीक मनुष्य के हाथों में उपकरण थे, किंतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता पहली ऐसी शक्ति है जो निर्णय लेने, सीखने, विश्लेषण करने और सृजन करने की क्षमता के साथ स्वयं को निरंतर विकसित कर रही है। यही कारण है कि विश्व के प्रमुख धर्मगुरु, वैज्ञानिक और नीति-निर्माता इसके खतरों को लेकर गंभीर चेतावनियां दे रहे हैं। हाल ही में वर्तमान पोप लियो चौदहवें द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संदर्भ में व्यक्त की गई चिंताएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि युद्ध को नैतिक नहीं बनाया जा सकता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणाली मानवता के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टि नहीं, बल्कि मानवीय अस्तित्व की रक्षा का प्रश्न है। दुनिया को इसे गंभीरता से लेने की आवश्यकता है।

पोप ने सामाजिक और वैश्विक मुद्दों पर जारी अपने आधिकारिक संदेश में एआई को मानवता के समक्ष उभरती सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बताया। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर चिंता व्यक्त की कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी परिवर्तन का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि यह युद्ध, राजनीति, अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना को प्रभावित करने वाली शक्ति बनती जा रही है। उन्होंने दुनिया को चेताया कि तकनीक का उद्देश्य मनुष्य पर प्रभुत्व स्थापित करना नहीं, बल्कि उसकी सेवा करना होना चाहिए। उनका संदेश मानव-केंद्रित विकास की अवधारणा को बल देता है, जिसमें विज्ञान और तकनीक को नैतिकता, मानवीय गरिमा और करुणा के अधीन रखा जाए। पोप की यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टिकोण नहीं है, बल्कि एक वैश्विक मानवीय आह्वान है कि एआई की अंधी दौड़ में मानवता, संवेदना और नैतिकता का क्षरण न होने दिया जाए।

आज जब महाशक्तियां एआई के माध्यम से प्रभाव और नियंत्रण की प्रतिस्पर्धा में लगी हैं, तब पोप का यह संदेश विश्व समुदाय को संयम, उत्तरदायित्व और मानवीय मूल्यों की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है। पोप ने स्पष्ट कहा कि कोई भी एल्गोरिद्म युद्ध को नैतिक नहीं बना सकता और तकनीक को मानव विवेक का विकल्प नहीं बनने दिया जा सकता। पोप ने चर्च के सामाजिक सरोकारों से जुड़े अपने इस आधिकारिक पत्र में पहली बार एआई को प्रमुख विषय बनाया, जो इस बात का संकेत है कि इसका प्रभाव केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मानव जीवन, समाज और वैश्विक व्यवस्था को व्यापक रूप से प्रभावित कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से एआई आधारित स्वायत्त हथियार प्रणालियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि इस तकनीक को पूर्णत: मानवीय नियंत्रण में नहीं रखा गया तो यह युद्ध, शोषण और दासता के नए रूपों को जन्म दे सकती है। पोप ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता को निरस्त्र करने का आह्वान करते हुए उसका आशय तकनीक का विरोध नहीं, बल्कि उसके अनियंत्रित और अमानवीय उपयोग पर रोक लगाना बताया। उनका कहना था कि युद्ध और शांति से जुड़े निर्णय अंतत: नैतिकता, करुणा और विवेक पर आधारित होने चाहिए, उन्हें मशीनों के हवाले नहीं किया जा सकता। आज जब अमेरिका, चीन और अन्य महाशक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता की होड़ में लगी हैं और युद्ध तकनीकों में इसका उपयोग बढ़ रहा है, तब पोप का यह संदेश मानवता के लिए एक नैतिक दिशा-सूचक के रूप में सामने आया है कि तकनीक मनुष्य की सेवक बने, स्वामी नहीं; और विकास का केंद्र मानव गरिमा, संवेदना तथा विश्वशांति ही रहे।

निश्चित रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, बैंकिंग, व्यापार, प्रशासन और संचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन किए हैं। रोगों के निदान से लेकर वित्तीय प्रबंधन तक और शिक्षा से लेकर अनुसंधान तक, इसकी उपयोगिता निर्विवाद है। लेकिन हर तकनीकी क्रांति अपने साथ संकट भी लाती है। आज वही संकट स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। सबसे बड़ा संकट रोजगार का है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने लाखों लोगों के कार्यों को प्रतिस्थापित करना शुरू कर दिया है। ग्राहक सेवा, लेखन, अनुवाद, लेखांकन, सूचना प्रबंधन, प्रोग्रामिंग और कार्यालयी कार्यों में मनुष्य की आवश्यकता तेजी से घट रही है। मशीनें कम लागत, अधिक गति और निरंतर कार्य क्षमता के कारण मनुष्य का स्थान ले रही हैं। इससे केवल बेरोजगारी नहीं बढ़ेगी, बल्कि सामाजिक असंतुलन और आर्थिक विषमता भी गहराएगी। जिन देशों और कंपनियों के पास कृत्रिम बुद्धिमत्ता का नियंत्रण होगा, आर्थिक शक्ति भी उन्हीं के हाथों में केंद्रित हो जाएगी। इससे विश्व व्यवस्था में असमानता का नया स्वरूप उभरेगा। इससे भी अधिक गंभीर प्रश्न वैश्विक सुरक्षा का है। आज अमेरिका, चीन और अन्य महाशक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता की होड़ में लगी हुई हैं। यह प्रतिस्पर्धा केवल तकनीकी श्रेष्ठता तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक प्रभुत्व का नया संघर्ष बन चुकी है। जैसे कभी परमाणु हथियारों और घातक अस्त्र-शस्त्रों के माध्यम से शक्ति संतुलन स्थापित हुआ था, वैसे ही अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता भविष्य की सामरिक शक्ति बन रही है। स्वायत्त हथियार प्रणाली, बुद्धिमान ड्रोन और बिना मानवीय हस्तक्षेप के निर्णय लेने वाली युद्ध तकनीकें मानवता के लिए भयावह संकेत हैं। यदि युद्ध का निर्णय मशीनों के हाथों में चला गया तो संवेदना, विवेक और नैतिकता समाप्त हो जाएगी। मशीनों के लिए मानव जीवन केवल आंकड़े होंगे। ऐसी स्थिति महाविनाश की संभावना को जन्म दे सकती है। पोप की यह चेतावनी इसी संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है कि युद्ध का अंतिम निर्णय मानव विवेक के अधीन रहना चाहिए। साइबर सुरक्षा भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण नई चुनौतियों से घिर गई है। बैंकिंग व्यवस्था, विद्युत तंत्र, रक्षा नेटवर्क और संचार प्रणाली आज डिजिटल माध्यमों पर निर्भर हैं। एआई आधारित साइबर हमले किसी भी राष्ट्र को कुछ घंटों में अस्थिर कर सकते हैं। झूठे संदेश, भ्रामक वीडियो, कृत्रिम चित्र और आवाजों के माध्यम से सामाजिक तनाव उत्पन्न किए जा सकते हैं।

कर्नाटक में बदलाव के बाद की चुनौतियां

संजय गुप्त

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया के त्यागपत्र देने के साथ ही उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के राज्य की कमान संभालने का रास्ता साफ हो गया। इससे शिवकुमार की तो चाहत पूरी हो गई, लेकिन यह कहना कठिन है कि कर्नाटक कांग्रेस में सब कुछ सामान्य होने जा रहा है या फिर राज्य की विभिन्न समस्याओं के समाधान की राह आसान हो गई है। सिद्दरमैया ने त्यागपत्र देने की घोषणा करते हुए यह कहा कि कांग्रेस नेतृत्व ने जैसा कहा, मैंने वैसा किया, लेकिन उन्होंने राज्यसभा आकर कांग्रेस की केंद्रीय स्तर की राजनीति में सक्रिय होने का आग्रह ठुकराते हुए कहा कि वे राज्य की राजनीति में ही सक्रिय रहेंगे। चूंकि सिद्दरमैया जमीनी स्तर की राजनीति करने वाले नेता हैं और उनका अपना जनाधार है, इसलिए वे मुख्यमंत्री बनने जा रहे शिवकुमार के लिए चुनौती खड़ी कर सकते हैं। इसके नतीजे में वहां नए सिरे से गुटबाजी भी पनप सकती है, क्योंकि शिवकुमार के नेतृत्व वाली सरकार के मंत्रिमंडल से सिद्दरमैया के कुछ समर्थक बाहर हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त यह स्वाभाविक ही है कि शिवकुमार अपने हिसाब से शासन से चलाएंगे और इसके लिए वे प्रशासन में भी पूर्व मुख्यमंत्री के समर्थकों को किनारे कर सकते हैं। इसके आसार कम ही हैं कि सिद्दरमैया अपने उत्तराधिकारी शिवकुमार के लिए खुला मैदान छोड़ेंगे, क्योंकि जमीनी राजनीति करने वाला कोई नेता अपना राजनीतिक वर्चस्व इतनी आसानी से नहीं छोड़ता।

अपने देश में तो ऐसा और भी कम होता है। अपने यहां उम्रदराज नेता तब तक राजनीति से रिटायर ही नहीं होते, जब तक उन्हें बिल्कुल किनारे न कर दिया जाए। कांग्रेस सिद्दरमैया की उपेक्षा करने का जोखिम नहीं उठा सकती। शिवकुमार 2023 में तभी से मुख्यमंत्री पद के आकांक्षी थे, जब कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव जीता था, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व ने वरिष्ठता के आधार पर सिद्दरमैया का चयन किया। शिवकुमार का दावा था कि उनके और सिद्दरमैया के बीच इसे लेकर सहमति कायम हुई थी कि दोनों ढाई-ढाई वर्ष तक सत्ता संभालेंगे। अपने इस दावे के अनुरूप वे पिछले काफी समय से मुख्यमंत्री पद हासिल करने का प्रयत्न कर रहे थे, लेकिन सिद्दरमैया पद छोड़ने को तैयार नहीं थे। आखिरकार कांग्रेस आलाकमान के दबाव में वे तीन वर्ष बाद मुख्यमंत्री पद छोड़ने को तैयार हुए। स्पष्ट है कि उन्होंने मजबूरी में पद छोड़ा। कर्नाटक की तरह एक समय राजस्थान में भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच भी इसे लेकर खींचतना हुई थी कि दोनों के बाच ढाई-ढाई साल तक मुख्यमंत्री बनने की सहमति बनी थी। सचिन पायलट ने बहुत कोशिश की कि इस कथित सहमति के आधार पर उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी मिले, लेकिन अशोक गहलोत टस से मस नहीं हुए। उन्होंने कांग्रेस आलाकमान के निर्देशों को भी ठुकरा दिया। इस कारण सचिन पायलट एवं उनके बीच खींचतान जारी रही और कांग्रेस आलाकमान अंत समय तक कोई फैसला नहीं कर सका। ऐसा ही छत्तीसगढ़ में हुआ। यहां मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और वरिष्ठ कांग्रेस नेता टीएस सिंह देव के बीच इसे लेकर झगड़ा होता रहा कि ढाई-ढाई साल तक सत्ता संभालने की बात हुई थी। यहां भी कांग्रेस नेतृत्व कोई फैसला नहीं कर सका। नतीजा यह हुआ कि इन दोनों राज्यों में कांग्रेस की पराजय का एक कारण मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए खींचतान भी बनी। कांग्रेस नेतृत्व ने पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह को विधानसभा चुनाव के करीब एक वर्ष पहले मुख्यमंत्री पद से हटने के लिए बाध्य किया, क्योंकि नवजोत सिंह सिद्धू उनके खिलाफ खड़े हो गए थे। हालांकि मुख्यमंत्री की कुर्सी उनके बजाय चरणजीत सिंह चन्नी को मिली। इसके चलते गुटबाजी को बढ़ावा मिला और विधानसभा चुनावों में इसका लाभ आम आदमी पार्टी ने उठाया। कर्नाटक में दो वर्ष बाद चुनाव होने हैं। कहना कठिन है कि तब क्या होगा, लेकिन यह ध्यान रहे कि कर्नाटक में 1980 के बाद कोई भी सरकार सत्ता में नहीं लौटी है। शिवकुमार इस सिलसिले को तोड़ सकेंगे, यह कहना इसलिए कठिन है, क्योंकि कर्नाटक कई समस्याओं से घिरा है। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु आइटी सिटी के रूप में विख्यात है, लेकिन इस समय बेंगलुरु के साथ देश भर का आइटी उद्योग समस्याओं से घिरा है। कर्नाटक में बेंगलुरु को छोड़कर एक दो शहर ही सही तरह विकसित हो पाए हैं। बेंगलुरु और शेष राज्य में जो आर्थिक असमानता दिखती है, वह यही बताती है कि सरकारों ने अन्य शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। कर्नाटक उसी तरह की आर्थिक और सामाजिक समस्याओं से जूझ रहा है, जैसे अन्य कई राज्य। किसी भी दल के लिए कर्नाटक के लोगों की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करना इसलिए कठिन होता है, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्र की जनता को संतुष्टि के नाम पर विकास के काम कम, लोकलुभावन योजनाओं पर अधिक ध्यान दिया जाता है। यह किसी से छिपा नहीं कि रेवड़ी राजनीति कर्नाटक के लिए एक समस्या बन गई है। लोकलुभावन योजनाएं पूरी करने के फेर में राज्य की आर्थिक स्थिति कमजोर हुई है। ऐसी योजनाओं से एक तो मुफ्तखोरी की संस्कृति पनपती है और दूसरे राज्य की वित्तीय सेहत बिगड़ती है। ऐसा कुछ अन्य राज्यों में भी हो रहा है। कर्नाटक की तरह कई राज्यों में आर्थिक विकास राजधानी और चुनिंदा शहरों में ही केंद्रित दिखता है। अधिकांश राज्यों के पिछड़ेपन का कारण यही है कि वहां की सरकारें प्रदेश के समग्र विकास पर ध्यान नहीं देतीं। इससे आर्थिक असंतुलन और असमानता बढ़ती है। यह कर्नाटक में भी देखने को मिल रहा है। यह स्थिति शिवकुमार के लिए चुनौती बन सकती है। प्रमुख राज्यों में देखा जाए तो कांग्रेस के पास तेलंगाना को छोड़कर कर्नाटक ही बचा है। यदि अगले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के हाथ से राज्य की सत्ता निकल गई और भाजपा सत्ता में आ गई तो उसका देशव्यापी प्रभाव और अधिक बढ़ जाएगा। इसी के साथ कांग्रेस के लिए उसका मुकाबला करना कठिन हो जाएगा। स्पष्ट है कि शिवकुमार का मुख्यमंत्री बनना तो तय हो गया, लेकिन उनके लिए राज्य को समस्याओं से उबार पाना आसान नहीं होने वाला।

> सिद्दरमैया के त्यागपत्र के बाद डीके शिवकुमार कर्नाटक के मुख्यमंत्री बनेंगे, पर राज्य में गुटबाजी और समस्याओं का सामना करना होगा।

समस्या को 'पहेली' की तरह देखें

चिंता तब बढ़ती है, जब हम समस्या को अंतिम परिणति मान लेते हैं। शांत दिमाग से सोचें, तो वह परेशानी एक हल होने वाली पहेली लगती है। कई बार समाधान की शुरुआत सोच बदलने से ही शुरू हो जाती है।

मेरे पिताजी हर स्थिति में सबसे बुरे की कल्पना कर लेते हैं, चाहे वह वास्तविक हो या काल्पनिक। थेरेपिस्ट सोचने के इस तरीके को कैटास्ट्रोफाइजिंग (हर बात की सबसे बुरी कल्पना करना) कहते हैं। पिताजी घर आने पर हर चीज की बारीकी से जांच करते हुए गंभीर अंदाज में चेतावनी देते हैं। उनका एक पसंदीदा जुमला है, 'यह तुम्हारा अंत साबित होगा।' तनाव में मेरी भी चिंताएं बढ़ने लगती हैं, लेकिन मैं उन पर काबू पाने के लिए प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक डॉ. मार्टिन सेलिगमैन का तरीका अपनाती हूं। डॉ. मार्टिन सेलिगमैन ने जीवन की कठिनाइयों को समझने के लिए तीन महत्वपूर्ण पहलू बताए हैं, स्थायित्व, व्यापकता और नियंत्रण क्षमता। दरअसल, हमारा दिमाग सकारात्मक घटनाओं की तुलना में नकारात्मक घटनाओं पर ज्यादा ध्यान देता है। इसलिए, परेशानियां लंबे समय तक याद रहती हैं और लगता है कि वे कभी खत्म ही नहीं होंगी। हाउ ए लिटल बिकम्स ए लॉट के लेखक एरिक जिमर कहते हैं कि कई बार एक गलती या बुरा अनुभव हमें महसूस कराता है कि हमारी पूरी जिंदगी बर्बाद हो गई है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि मुश्किल वक्त में हम परेशानी पर इतना ध्यान देते हैं कि वह जटिल दिखाई देने लगती है, जबकि जरूरी यह है कि हम थोड़ा पीछे हटकर पूरी तस्वीर देखें। इस संदर्भ में, जिमर ने अपना उदाहरण देते हुए ?बताया कि पहले उनका व्यवसाय था, जो बाद में बंद हो गया। ऐसे में, उन्हें लगने लगा कि वह असफल इन्सान हैं। पर, जब उन्होंने खुद से पूछा कि क्या इससे उनका जीवन असफल हो गया, तो उन्हें एहसास हुआ कि असफल तो व्यवसाय हुआ है, न कि वह खुद। डॉ. सेलिगमैन भी कहते हैं कि किसी कठिन परिस्थिति को स्वीकार करने के बाद खुद से पूछना चाहिए कि मैं क्या कर सकता हूं? इसलिए, जो चीजें आपके नियंत्रण में हैं, उन्हें पहचानिए। ज्यादातर स्थितियों में कुछ न कुछ ऐसा जरूर होता है, जिसे आप ढूंढ सकते हैं। वहीं, जिमर कहते हैं कि किसी चुनौती को 'पहेली' की तरह देखें। इससे दिमाग को एहसास होता है कि उस समस्या का हल जरूर होगा, बस उसे खोजने की जरूरत है। तनाव और चिंताओं से पूरी तरह बचना संभव नहीं है, लेकिन सही नजरिया अपनाकर हम इन्हें अपने ऊपर हावी होने से रोक सकते हैं। यदि हम खुद से सही सवाल पूछें, तो समझ सकते हैं कि कौन-सी चिंता वास्तव में गंभीर है और कौन केवल दिमागी डर। कई बार समाधान की शुरुआत सोच बदलने से ही शुरू हो जाती है।

नई शुभ्रता की आशाओं में अतीत का आकाश

हिंदी के लिए 30 मई का दिन ऐतिहासिक था। इस दिन हिंदी पत्रकारिता ने अपनी दो सौ साल की यात्रा पूरी कर ली है। हिंदी पत्रकारिता की एक विशेषता रही है। अन्य राज्यों और भाषाओं की पत्रकारिता की तरह उसकी शुरुआत अपने राज्य नहीं, बल्कि पश्चिम बंगाल के कलकत्ता में हुई। बहुत दिनों तक बहस चलती रही कि हिंदी का पहला अखबार कौन है। भारतेंदु हरिश्चंद्र निश्चित तौर पर हिंदी के उन्नायक रहे हैं। बहुत दिनों तक कहा जाता रहा कि उनके द्वारा संपादित बनारस अखबार हिंदी का पहला अखबार है। लंबी बहस के बाद तय हुआ कि कलकत्ता से 30 मई, 1826 को निकला उदन्त मार्त्तण्ड हिंदी का पहला पत्र है। हिंदी के पहले अखबार के रूप में उदन्त मार्त्तण्ड को स्वीकृति दिलाने का श्रेय बंगाल के बुद्धिजीवी ब्रजेंद्र नाथ बंदोपाध्याय को है। उन्होंने मई, 1931 के अंक में कलकत्ता से प्रकाशित विशाल भारत में 'हिंदी पत्रों की आरंभिक कथा' शीर्षक एक लेख लिखा था, इसी में उन्होंने उदन्त मार्त्तण्ड को हिंदी का पहला समाचार पत्र बताया था। इस लेख के साथ उदन्त मार्त्तण्ड के प्रवेशांक का चित्र भी प्रकाशित हुआ था। इसके प्रकाशक, संपादक और मालिक कानपुर निवासी पंडित जुगल किशोर शुक्ल थे, जो पेशे से वकील थे। उन्होंने जिस साहस के साथ उदन्त मार्त्तण्ड का प्रकाशन शुरू किया, वह सराहनीय है। हालांकि इसके केवल 79 अंक ही निकल सके और 1827 में वह बंद हो गया। लेकिन उन्होंने हिंदी पत्रकारिता की जो साहसपूर्ण कहानी शुरू की, उसी की बुनियाद पर आगे बढ़ते हुए हिंदी पत्रकारिता ने दो सौ साल का संघर्षपूर्ण और गौरवशाली सफर पूरा किया है। उस दौर में संपादक पर ही सारा दारोमदार था। तब हिंदी भी विकसित हो रही थी। शुक्ल जी उदन्त मार्त्तण्ड के सब कुछ थे। क्या लिखा जाए, किसे संबोधित किया जाए, वे ही तय करते थे। जिस दौर में उदन्त मार्त्तण्ड निकला, उस दौर में अंग्रेजों ने तय कर रखा था कि हिंदीभाषी क्षेत्रों को कुछ न दिया जाए। भाषायी पत्रों को नियंत्रित करने के लिए उन्होंने बाद में वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट लागू किया। लेकिन इसका ठीक उलटा हुआ। उस दौर में समाचार पत्रों ने उग्र राष्ट्रीयता का समर्थन किया। उसी दौर में राजा राममोहन राय ने राष्ट्रीयता को सुर दिया और यह सुर भारतीय राजनीतिक क्षितिज पर महात्मा गांधी के छा जाने तक बरकरार रहा। हिंदी पत्रकारिता की कहानी, हिंदी भाषा के विकास और राष्ट्रीयता के विकास भी गाथा है। हिंदी पत्रकारिता ने जातीय चेतना जगाने में भी बड़ी भूमिका निभाई है। बेशक उदन्त मार्त्तण्ड कलकत्ता से निकला, लेकिन उन्नीसवीं सदी के आखिर तक आते-आते हिंदी पत्रकारिता के दो प्रमुख केंद्र उभरे, पहला कलकत्ता और दूसरा बनारस। इसी दौर में कलकत्ता से ही पंडित अंबिका प्रसाद वाजपेयी के संपादन में भारत मित्र निकला। तब संपादकों को कई जगह अपने पत्रों में छपी सामग्री को ग्राहकों को पढ़कर सुनाना पड़ता था। अंबिका प्रसाद वाजपेयी ने भारत मित्र के पहले संपादकीय में लिखा है, 'समाचार पत्र प्रजा का प्रतिनिधि स्वरूप होता है। मुख्य तौर पर हृदय में संस्कार उत्पन्न करने में समाचार पत्र जितना समर्थ है, दूसरी कोई और विधा नहीं है।' ऐसी टिप्पणियां उस दौर के पत्रों में मिलती हैं। एक और समाचार पत्र समाचार सुधावर्षण का 'उन्नीसवीं शताब्दी और ये सभ्यता' शीर्षक संपादकीय दृष्टव्य है, 'क्या इसी को सभ्यता, राजनीति, धर्मनीति और दयावृत्ति कहते हैं? जो लोग अपनी सभ्यता, राजनीति और दयावृत्ति के आगे प्राचीनों को असभ्य, मूर्ख, धर्मज्ञान शून्य और नृशंस कहते हैं, उन्हीं लोगों का ये काम है?' उसी दौर के एक और पत्र उचित वक्ता के संपादकीय में संपादक दुर्गाप्रसाद मिश्र सलाह देते हैं, 'देसी पत्र संपादको, सावधान, कहीं जले का नाम सुनकर कर्तव्यविमूढ़ मत हो जाना। यदि धर्म की रक्षा करते हुए, गवर्नमेंट को सत्परामर्श देते हुए जेल भी जाना पड़े, क्या चिंता है। मानहानि नहीं होनी है।'

उदन्त से मार्तण्ड तक: पत्रकारिता का ध्येय केवल सूचना नहीं, समाज में प्रकाश भी

संस्कृत भाषा में 'उदन्त' शब्द का मूल अर्थ है- संपूर्ण समाचार, वार्ता, प्रवृत्ति, वृत्तांत या पूर्ण जानकारी। संस्कृत के अमरकोष और मेदिनिकोश के साथ ही मोनियर-विलियम्स द्वारा 1851 में संपादित संस्कृत-अंग्रेजी शब्दकोश में 'उदन्त' को समाचार, बुद्धिमत्ता, पूर्ण विवरण और शुभ सूचना के अर्थ में ग्रहण किया गया है। महाकवि कालिदास के मेघदूत में 'कान्तोदन्त:' तथा रघुवंश में 'प्रियोदन्तम' जैसे प्रयोग सिद्ध करते हैं कि 'उदन्त' केवल सूचना नहीं, बल्कि भावनात्मक और सामाजिक संवाद का माध्यम है।

संस्कृत के व्याकरण के अनुसार 'उदन्त' शब्द की व्युत्पत्ति 'उद्गत: अन्त: यस्मात' मानी गई है। तात्पर्य है कि वह जिससे किसी घटना का पूरा निष्कर्ष या संपूर्ण विवरण प्रकट हो जाए। यही कारण है कि प्राचीन भारतीय परंपरा में 'उदन्त' केवल खबर नहीं, बल्कि प्रामाणिक वृत्तांत माना जाता था। आधुनिक पत्रकारिता का मूल तत्व भी यही होना चाहिए। संस्कृत भाषा में समाचार शब्द उस अर्थ में नहीं बनता, जिसमें प्राय: उसका प्रयोग किया जाता है।

यही कारण है कि पिछले पांच दशकों से आकाशवाणी से प्रसारित होने वाले संस्कृत समाचारों का आरंभ 'संप्रति वार्ता: श्रूयन्तां' से होता है, क्योंकि संस्कृत में न्यूज के लिए वार्ता, प्रवृत्ति, वृत्तांत और उदन्त जैसे शब्द उपलब्ध हैं।

जब हिंदी के प्रथम समाचार पत्र का नाम उदन्त मार्तण्ड रखा गया, तब उसमें गहन सांस्कृतिक प्रतीक छिपा था। इसका सांस्कृतिक संबंध संस्कृत भाषा से जोड़ा गया। उदन्त और मार्त्तण्ड, दोनों शब्द संस्कृत से लिए गए हैं। मार्त्तण्ड का अर्थ सूर्य है। इस प्रकार उदन्त मार्त्तण्ड का आशय हुआ- समाचार-सूर्य या समाचारों का प्रकाश फैलाने वाला। यह नाम भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक जनसंचार के अद्भुत समन्वय का उदाहरण है।

हिंदी पत्रकारिता की द्विशताब्दी पर उदन्त शब्द हमें स्मरण कराता है कि पत्रकारिता का ध्येय केवल सूचना देना नहीं, बल्कि समाज को प्रकाश देना भी है, ठीक उसी प्रकार जैसे मार्तण्ड संपूर्ण जगत को आलोकित करता है।

साइलेंट खतरा बन रहा फैटी लीवर, समय रहते संभल जाएं वरना पड़ सकता है भारी: डॉ. यासीन अली

मुमन पत्रिका

जयपुर। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी, अनियमित खानपान और बढ़ती लापरवाही के बीच फैटी लीवर डिसीज़ तेजी से लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है। यह एक ऐसी बीमारी है जो शुरुआत में बिना किसी खास लक्षण के शरीर में पनपती रहती है, लेकिन समय पर ध्यान न देने पर गंभीर रूप ले सकती है। जयपुर के चिकित्सक डॉ. यासीन अली ने फैटी लीवर को लेकर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

डॉ. यासीन अली के अनुसार फैटी लीवर तब होता है जब लीवर में जरूरत से ज्यादा चर्बी जमा होने लगती है। इसके पीछे तला-भुना भोजन, फास्ट फूड, मोटापा, व्यायाम की कमी, डायबिटीज और खराब दिनचर्या बड़ी वजह हैं। उन्होंने बताया कि कई बार मरीज को लंबे समय तक इसका पता भी नहीं चलता। फैटी लीवर के मरीजों में पेट में भारीपन, थकान, कमजोरी, भूख कम लगना और पेट फूलने जैसी शिकायतें देखी जा सकती हैं। हालांकि कई लोगों में शुरुआती दौर में कोई लक्षण नजर नहीं आते। उन्होंने कहा कि इससे बचाव के लिए रोजाना पैदल चलना, वजन नियंत्रित रखना, हरी सब्जियां और फल खाना, पर्याप्त पानी पीना और तला-भुना भोजन कम करना बेहद जरूरी है। समय-समय पर जांच भी करानी चाहिए। डॉ. यासीन अली ने कहा कि सही समय पर पहचान और जीवनशैली में बदलाव से फैटी लीवर को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि शरीर के छोटे संकेतों को नजरअंदाज न करें और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, क्योंकि स्वस्थ लीवर ही स्वस्थ शरीर की पहचान है।

नत्थीलाल शर्मा मुख्य ट्रस्टी एवं धीर सिंह जादौन सहायक मुख्य ट्रस्टी बने

मुमन पत्रिका

धौलपुर । गायत्री शक्तिपीठ धौलपुर पर गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि शांतिकुंज प्रतिनिधि सतीश चंद कौशिक पूर्व ज़िला न्यायाधीश व्यवस्थापक पुष्कर जॉन रहे एवं अति विशिष्ट अतिथि श्याम सिंह कार्यक्रम एवं संगठन समन्वयक पुष्कर जॉन,विशिष्ट अतिथि नरेंद्र जोशी उप जॉन समन्वयक भरतपुर रहे एवं गोष्ठी की अध्यक्षता सहायक मुख्य ट्रस्टी धीर सिंह जादौन ने की। गायत्री शक्तिपीठ धौलपुर पर शांतिकुंज हरिद्वार के दिशा निर्देशानुसार शांतिकुंज प्रतिनिधि सतीश चंद कौशिक पूर्व ज़िला न्यायाधीश व्यवस्थापक पुष्कर जॉन,श्याम सिंह कार्यक्रम एवं संगठन समन्वयक पुष्कर जॉन,नरेंद्र जोशी उप जॉन समन्वयक भरतपुर की देखरेख में गायत्री शक्तिपीठ धौलपुर ट्रस्ट का पुनर्गठन हुआ। जिसमें सर्वसम्मति से एडवोकेट नत्थीलाल शर्मा को मुख्य ट्रस्टी एवं धीर सिंह जादौन सहायक मुख्य ट्रस्टी एवं ट्रस्टी के रूप में वासुदेव शर्मा ,गोपेशराज पचौरी बाड़ी ,मौजीराम कांधिल,अतर सिंह कुशवाह बसई नवाब,राजेश सिकरवार मनियां,सीता अग्रवाल,मलखान सिंह सिकरवार नियुक्त किए गए। शांतिकुंज प्रतिनिधि सतीश चंद कौशिक पूर्व ज़िला न्यायाधीश व्यवस्थापक पुष्कर जॉन ने बताया कि ट्रस्ट के साथ समितियों में भी जैसे देवालय समिति में संयोजक श्याम सुंदर शर्मा एवं सह संयोजक प्रतिभा गुप्ता तथा वित्त एवं विधि समिति में एकाउंटेंट राजेंद्र अग्रवाल एवं एडवोकेट लक्ष्मण सिंह बैंसला,आंदोलन समिति में संयोजक मुन्ना लाल शर्मा एवं सह संयोजक राजीव सक्सेना एवं संगठन समिति में संयोजक शिक्षाविद भगवान सिंह मीना एवं सह संयोजक संजय कमठान को बनाया एवं 13 सदस्यीय कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। गोष्ठी में कैलाश चंद्र तोमर,नेमीचंद महामना,दक्ष कुमार शर्मा, नौवत लाल कैन,प्रताप सिंह राना,सुंदर सिंह कुशवाह, दयाकांत सक्सैना,मनोज कुमारी,कमलेश कुमारी,ओमवीर सिंह राजपूत चौराखेड़ा,राम प्रकाश तोमर,प्रभाकर दीक्षित, मुन्ना लाल वाटरबॉक्स, कृष्ण कुमार परमार,चंद्र शेखर शर्मा सहित अन्य गायत्री परिजन उपस्थित रहे।

जैन धार्मिक शिक्षण शिविर का समापन, संस्कार एवं धर्म शिक्षा का दिया संदेश

मुमन पत्रिका

सवाई माधोपुर। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान एवं श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर, जयपुर के सहयोग से आयोजित जैन धार्मिक शिक्षण शिविर का समापन सोमवार को आदिनाथ दिगंबर जैन सांवलियान मंदिर परिसर में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ हुआ। प्रवक्ता प्रवीण जैन ने बताया कि दस दिवसीय शिविर में बालक-बालिकाओं एवं युवाओं को जैन धर्म के मूल सिद्धांतों, पूजन-विधान, णमोकार मंत्र, जैन संस्कृति तथा नैतिक मूल्यों की जानकारी दी गई। शिविरार्थियों ने धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं मंगलाचरण से हुआ। समाज अध्यक्ष अशोक बड़जात्या ने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों को धार्मिक संस्कारों से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। वहीं शिविर प्रभारी पं. अंकित जैन शास्त्री ने ऐसे शिविरों को व्यक्तित्व निर्माण और संस्कृति संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण बताया। समापन अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिविरार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में अल्पाहार वितरण किया गया। इस दौरान समाज के महिला-पुरुष, युवा, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में शिविरार्थी उपस्थित रहे।

टोंक जिले में पांच बड़ी कार्रवाईया, अपराधियों में खौफ, खाकी का इकबाल बुलंद

टोंक सिंघम रोशन मीना के नवाचारों से बदली पुलिसिंग

मुमन पत्रिका@विनोद साँखला

टोंक। टोंक सिंघम रोशन मीना के नवाचारों से बदली पुलिसिंग टोंक जिले में खाकी का इकबाल बुलंद हो गया । जिले में साइबर अपराधों के खिलाफ सख्त और प्रभावी कार्रवाई के चलते साइबर ठगी के शिकार लोगों को लगातार राहत मिल रही है।

पहली कार्रवाई थाना देवली टोंक

टोंक पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशानुसार एएसपी रतनलाल भार्गव , एएसपी मालपुरा पुष्पेन्द्र सिंह , सीओ देवली हेमराज मुण्ड के सुपरविजन में एसएचओ देवली दौलतराम गुर्जर सीआई के नेतृत्व में साईबर अपराधों की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान म्यूल हंटर के तहत त्वरित विधिक कार्यवाही हेतु टीम द्वारा पुलिस थाना देवली द्वारा म्यूल बैंक खातों का संचालन करने वाले व साइबर ठगी से अर्जित धनराशि के अवैध संकलन एवं हस्तांतरण में संलिप्त गिरोह का भंडाफोड़, करते हुये चार अभियुक्त 1. निखिल शर्मा उर्फ गोलू पुत्र स्व. योगेश कुमार शर्मा जाति ब्राह्मण (31) निवासी 33/09 आरएचबी प्रतापनगर, सांगानेर, सांगानेर बाजार जयपुर हाल निवासी निवारियां पुलिस थाना दूनी जिला टोंक 2. भावतोष विश्वास पुत्र भीम विश्वास जाति बंगाली (35) निवासी वार्ड न.2 माताजी मंदिर के पीछे बंगाली कॉलोनी देवली, पुलिस थाना देवली, जिला टोंक 3. मनराज गुर्जर पुत्र गणेशलाल गुर्जर जाति गुर्जर (31) निवासी गांवड़ी पुलिस थाना देवली, जिला टोंक 4. लोकेश मीणा पुत्र धर्मराज मीणा जाति मीणा (27) निवासी राजनगर पुलिस थाना दूनी, जिला टोंक गिरफ्तार कर आरोपीयों के कब्जे से 04 मोबाईल व 02 कार जप्त की गई। एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के परीक्षण में अभियुक्तो के बैंक खातों में कुल ?6,42,740/- की साइबर ठगी राशि प्राप्त हुयी है।

दूसरी कार्रवाई पुलिस थाना उनियारा

टोंक पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशानुसार एएसपी रतनलाल भार्गव , सीओ उनियारा आकांशा कुमारी के निर्देशन में पुलिस थाना उनियारा द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम हेतु व बढ़ती शिकायतें पर कार्यवाही करते हुए 10 से 20 प्रतिशत कमीशन के आधार पर अपने बैंक खाते मे राशी डलवाने वाला एक साइबर ठग लाखन पुत्र भागीरथ जाति मीणा उम्र 27 साल निवासी श्योपुरा थाना उनियारा जिला टोंक को गिरफतार कर प्रकरण दर्ज किया गया।

तीसरी कार्रवाई थाना अलीगढ़ टोंक

टोंक पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशानुसार एएसपी रतनलाल भार्गव , सीओ उनियारा आकांशा कुमारी के सुपरविजन में एसएचओ अलीगढ़ राजकुमार सीआई के नेतृत्व में थाना से गठित टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ/शराब की रोकथाम के तहत ताबडतोड कार्यवाही करते हुये ईलाका थाना अलीगढ ग्राम देवली में अवैध शराब ब्रांचे चलाने वाले दिलखुश पुत्र हेमराज जाति मीणा उम्र 27 साल निवासी देवली थाना अलीगढ जिला टोंक को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया गया व आरोपी के कब्जे से भारी मात्रा मे देशी शराब व अग्रेज शराब के 944 अवैध पव्वे, 272 बियर व बियर के केन, 30 अवैध शराब की बोतले व विभिन्न ब्राण्ड के कुल 67 अद्दे अवैध शराब बरामद की गयी व एक फ्रिजर जप्त किया गया।

चौथी कार्रवाई पुलिस थाना उनियारा:-

टोंक पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशानुसार एएसपी रतनलाल भार्गव , सीओ उनियारा आकांशा कुमारी के सुपरविजन में एसएचओ उनियारा कप्तान सिंह मय जाप्ता द्वारा मुखबिर की सूचना पर ताबडतोड कार्यवाही करते हुये ईलाका थाना उनियारा ग्राम झुण्डवा मे बस स्टेण्ड के पास स्थित गिर्राज गुर्जर पुत्र अर्जुनलाल जाति गुर्जर निवासी झुण्डवा थाना उनियारा जिला टोंक के मकान से दुकानो अवैध शराब ब्रिक्री हेतु स्टॉक की गई 55 पेटी देशी शराब कुल ;2640 पव्वेद्दए 8 पेटी बीयर ; 72 केन व 60 बोतल अलग अलग ब्रॉड की अग्रेजी शराब की बोतलो की 3 पेटी ;36 बोतल हॉफ की 5 पेटी ; 120 हॉफ पव्वो की 7 पेटी ; 336 पव्वे को जप्त किये गये।

पांचवी कार्रवाई पुलिस थाना झिराना

टोंक पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशानुसार एएसपी टोंक रतनलाल भार्गव , सीओ पीपलू रामअवतार के सुपरविजन में एसएचओ झिराना राजेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व में अवैध बजरी परिवहन के विरुद्ध ताबडतोड कार्यवाही करते हुये दौराने गश्त पुलिस थाना झिराना द्वारा ईलाके में अवैध रूप से बजरी परिवहन करते हुये अलग-अलग 05 टैक्टर ट्रौली व कुल 50 टन अवैध बजरी जब्त कर 4 प्रकरण दर्ज किये गये।

यातायात नियमों की पालना के लिए निकाली जागरूकता रैली, उल्लंघन पर कार्रवाई की चेतावनी

मुमन पत्रिका

गंगापुर सिटी। शहर में यातायात नियमों के प्रति आमजन और वाहन चालकों को जागरूक करने के उद्देश्य से सोमवार शाम यातायात पुलिस द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई। रैली उदेई मोड़ से शुरू होकर फव्वारा चौक होते हुए रेलवे स्टेशन तक पहुंची। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने वाहन चालकों को यातायात नियमों की पालना करने का संदेश दिया।

रैली के दौरान वाहन चालकों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने तथा यातायात संकेतों का अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिसकर्मियों ने लोगों को समझाया कि यातायात नियमों की अनदेखी न केवल स्वयं के लिए बल्कि अन्य लोगों के लिए भी दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है।

यातायात प्रभारी मोती सिंह ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए नियमों की पालना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि फिलहाल वाहन चालकों को जागरूक किया जा रहा है, लेकिन मंगलवार से यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों की पालना कराना विभाग की प्राथमिकता रहेगी।

रैली के दौरान यातायात पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर रुककर लोगों को सड़क सुरक्षा से संबंधित जानकारी भी दी। पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए सुरक्षित और जिम्मेदार वाहन संचालन का संदेश दिया।

इस अवसर पर यातायात प्रभारी मोती सिंह के साथ एएसआई कुशल कुमार, कांस्टेबल नाहर सिंह, कांस्टेबल राजेश, कांस्टेबल हाकिम सिंह तथा कांस्टेबल राजेश कुमार सहित यातायात पुलिस के अन्य जवान मौजूद रहे। रैली के दौरान शहरवासियों ने भी यातायात नियमों की पालना करने का संकल्प लिया।

मानटाउन थाना पुलिस ने 14 ग्राम स्मैक के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

मुमन पत्रिका

सवाई माधोपुर। पुलिस थाना मानटाउन एवं जिला विशेष टीम (डीएसटी) ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एनडीपीएस एक्ट के तहत एक आरोपी को 14 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय सिंह एवं पुलिस उपाधीक्षक उदय सिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी सुनील कुमार गुप्ता के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार 31 मई को गश्त के दौरान रेलवे यार्ड के पास पेड़ के नीचे बैठा एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से 14 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान गिर्राज सोनी (43) पुत्र सत्यनारायण सोनी निवासी भैरू दरवाजा के पास, शहर सवाई माधोपुर के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ मानटाउन थाने में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

कार्रवाई में राजवीर सिंह, दयाराम, हरिसिंह एवं अशोक की विशेष भूमिका रही।

एसीसी सीमेंट कंपनी को बचाने के लिए कांग्रेस का प्रदर्शन, जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

मुमन पत्रिका

बून्दी। लाखेरी स्थित 110 वर्ष पुरानी एसीसी सीमेंट कंपनी पर बंद होने के मंडरा रहे संकट को लेकर सोमवार को कांग्रेस ने बून्दी जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। कंपनी को पुनः संचालित कराने की मांग को लेकर कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने जिला कलेक्टर के माध्यम से राज्य और केंद्र सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन से पूर्व जिला मुख्यालय पर आमसभा आयोजित की गई, जिसमें कांग्रेस नेताओं ने कंपनी बंद होने से मजदूरों, व्यापारियों और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहे प्रभाव को लेकर चिंता जताई। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर जिला कलेक्टरेट पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया।

सभा को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री एवं विधायक अशोक चांदना ने कहा कि लाखेरी की एसीसी सीमेंट कंपनी क्षेत्र की आर्थिक जीवनरेखा है और इसके बंद होने से हजारों परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की उदासीनता और विफल नीतियों के कारण यह स्थिति बनी है। चांदना ने कहा कि कांग्रेस मजदूरों और आमजन के हितों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी तथा सरकार से कंपनी का संचालन बहाल कराने और कर्मचारियों के हित सुरक्षित करने की मांग की।

प्रदर्शन में विधायक सीएल प्रेमी, जिला प्रमुख चंद्रावती कंवर सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ऑनलाइन साइबर फ्रॉड मामले में बालक निरुद्ध, छह माह से फरार आरोपी गिरफ्तार

मुमन पत्रिका

चौथ का बरवाड़ा। पुलिस थाना चौथ का बरवाड़ा ने ऑनलाइन साइबर फ्रॉड के मामले में कार्रवाई करते हुए एक विधि से संघर्षरत बालक को निरुद्ध किया है। वहीं धोखाधड़ी के एक अन्य मामले में करीब छह माह से फरार चल रहे आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय सिंह तथा वृत्ताधिकारी हसराज बैरवा के सुपरविजन में पुलिस मुख्यालय जयपुर द्वारा चलाए जा रहे 'म्यूल हंटर अभियान' के तहत यह कार्रवाई की गई।

थानाधिकारी महेंद्र कुमार शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने साइबर सेल से मिली सूचना के आधार पर एक विधि से संघर्षरत बालक को हिरासत में लेकर उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन एवं सिम कार्ड जब्त किया। जांच में सामने आया कि बालक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी एवं चैनल बनाकर लोगों को आर्थिक सहायता दिलाने का झांसा देता था तथा फाइल चार्ज के नाम पर ऑनलाइन ठगी करता था। पुलिस के अनुसार आरोपी एडिट किए गए स्क्रीनशॉट दिखाकर लोगों का विश्वास जीतता था और अब तक कई लोगों से ठगी कर चुका है।

इसी क्रम में पुलिस टीम ने थाना क्षेत्र के मुकदमा संख्या 306/2025 में करीब छह माह से फरार चल रहे आरोपी चरत लाल मीना निवासी बोरदा को गिरफ्तार किया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया।

कार्रवाई में तेज सिंह, भैरू सिंह, रामप्रसाद, जितेश, मुकेश कुमार, राजेंद्र कुमार, विनोद एवं अशोक कुमार सहित पुलिसकर्मियों की विशेष भूमिका रही।

तेज हवाओं के साथ तूफानी बारिश, कई गांवों में गिरे ओले

मुमन पत्रिका @ मेमराज गुर्जर

खंडार। खंडार उपखंड क्षेत्र में सोमवार शाम मौसम ने अचानक करवट ले ली। आसमान में घने काले बादल छाने के बाद तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। बारिश के साथ कई गांवों में चने के आकार के ओले भी गिरे, जिससे जनजीवन प्रभावित हो गया। अचानक हुई ओलावृष्टि और तेज अंधड़ से क्षेत्र में कई जगह नुकसान की सूचना है। चक्रवाती हवाओं के कारण ग्रामीण इलाकों में घरों और दुकानों के टीन शेड उड़ गए, वहीं कई स्थानों पर पेड़ और बिजली के खंभे गिरने से बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। ग्रामीणों के अनुसार ओले इतनी तेजी से गिरे कि लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। हालांकि मौसम में आए बदलाव से पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से लोगों को राहत मिली है तथा तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। खंडार, कुड़ाना, मई कलां, बहरावड़ा खुर्द, छान, अल्लापुर, सुखवास, दौलतपुरा, खण्डेवला, पाली, मीणा खेड़ी और सोनकच्छ सहित कई गांवों में मौसम का असर देखने को मिला।

विजय कुमार सांखला को अमेरिका की सीडरब्रुक यूनिवर्सिटी द्वारा मानद डॉक्टरेट उपाधि

यह सम्मान दीर्घकालीन समर्पण, कर्मठता एवं समाज के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतिफल है - विजय कुमार साँखला

टोंक । (विनोद साँखला)

सामाजिक एवं शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए समाजसेवी एवं शिक्षाविद् विजय कुमार सांखला (प्रधानाचार्य) कार्यकारी प्रधान राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष (युवा) अखिल भारतीय खटीक समाज एन 441 को सीडरब्रुक विश्वविद्यालय, साउथ डकोटा अमेरिका द्वारा मानद डॉक्टरेट (॥श्ङ्घश्हङ्ख4 ष्ठश्ष्ह्वश्हङ्खह्द्र) की उपाधि से सम्मानित किया गया। यह सम्मान शनिवार, 30 मई 2026 को नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया गया। समारोह की अध्यक्षता डॉ. बिजेंद्र सिंह डी. अहलावत, राष्ट्रीय अध्यक्ष, नमो सेना मोदी अखंड भारतीय राष्ट्रीय सेवा संघ ने की । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वगुरु डॉ. गौरी शंकर महाराज, अनंत विभूषित श्रीमद् पीताम्बरा पशुपति पीठाधीश्वर रहे। इस अवसर पर डॉ. आलोक कुमार भार्गव (मुख्य अभियंता, रेलवे मंत्रालय), प्रो. (डॉ.) तनवीर आलम (अतिरिक्त निदेशक, भारतीय पैकेजिंग संस्थान), शेखर अम्बेरकर (उप निदेशक एवं अंतरराष्ट्रीय पैकेजिंग केंद्र प्रमुख, भारतीय पैकेजिंग संस्थान), रघुबीर शर्मा (उप निदेशक, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय), डॉ. प्रभात कुमार (अधिवक्ता, सर्वोच्च न्यायालय) तथा माननीय श्री दीपसिंह राठौड़, सांसद सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

वक्ताओं ने प्रधानाचार्य विजय कुमार सांखला गंगापुर के सामाजिक जागरूकता, शिक्षा प्रसार, मानव सेवा एवं समाज उत्थान के क्षेत्र में किए गए कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह सम्मान उनके दीर्घकालीन समर्पण, कर्मठता एवं समाज के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतिफल है।

मानद डॉक्टरेट उपाधि प्राप्त करने पर विजय सांखला ने इसे समाज, सहयोगियों एवं शुभचिंतकों के आशीर्वाद का परिणाम बताते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें भविष्य में और अधिक समर्पण के साथ समाज एवं शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने की प्रेरणा देगा। इस उपलब्धि पर विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक जनप्रतिनिधि संगठनों एवं अखिल भारतीय खटीक समाज एन 441 के प्रमुख राष्ट्रीय संरक्षक आदरणीय सज्जन सिंह वर्मा पूर्व मंत्री मध्य प्रदेश शासन,राष्ट्रीय संरक्षक मानसिंह , अध्यक्ष मुंशी रामपाल पूर्व सांसद, प्रधान राष्ट्रीय महासचिव अनिल सोनकर शास्त्री, राष्ट्रीय संगठन महासचिव मंगत सिंह तितौरिया, राष्ट्रीय महासचिव रमेश खींची - विधायक ,राष्ट्रीय महासचिव बंशी सिंह पहाड़िया- पूर्व विधायक, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अमृतलाल सोनकर, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी ललित पंवार , बबलू सोनकर , राष्ट्रीय मुख्य सलाहकार भवानी शंकर राजौरिया , राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामनाथ राजोरिया , राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उमेश खटीक, राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ सुशीला सोनकर , राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष त्रिलोक बड़गुजर, दिल्ली प्रदेशाध्यक्ष अनिल सरवालिया , मध्यप्रदेश प्रदेशाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण बोरीवाल , विनोद खटीक प्रदेशाध्यक्ष उत्तर प्रदेश , समीर खटीक प्रदेशाध्यक्ष हरियाणा , नरेश नागोरा प्रदेशाध्यक्ष गुजरात , प्रताप राव प्रदेशाध्यक्ष -आंध्र प्रदेश , सरपंच प्रतिनिधि बड़ागाँव विनोद साँखला निवाई टोंक (पत्रकार) सहित समस्त पदाधिकारियों नें विजय कुमार सांखला को बधाई देते हुए इसे पूरे समाज के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

पटेल नगर में ट्यूबवेल से लटका मिला युवती का शव, क्षेत्र में फैली सनसनी

मुमन पत्रिका @नईम अख्तर

सवाई माधोपुर। जिला मुख्यालय के बजरिया स्थित पटेल नगर कॉलोनी में सोमवार सुबह एक दुखद एवं सनसनीखेज घटना सामने आई। यहां एक निर्माणाधीन प्लॉट में लगी ट्यूबवेल पर एक युवती का शव लटका मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर एकत्र हो गई तथा सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर घटनास्थल का मौका मुआयना किया। वहीं एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है।

जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान कल्पना मीणा पुत्री हनुमान मीणा निवासी अभयपुरा, चौथ का बरवाड़ा के रूप में हुई है। युवती पटेल नगर में अपने ताऊ के यहां रहकर पढ़ाई कर रही थी। बताया जा रहा है कि देर रात वह अपने घर से अकेली निकली थी और पास ही स्थित निर्माणाधीन प्लॉट तक पहुंची, जहां यह घटना हुई।

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस ने आसपास के क्षेत्र की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है ताकि घटना के कारणों का पता लगाया जा सके। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच में जुटी हुई है।

कोतवाली थानाधिकारी मदनलाल मीणा ने बताया कि सोमवार सुबह सूचना मिली थी कि पटेल नगर कॉलोनी के एक खाली प्लॉट में लगे ट्यूबवेल पर एक लड़की लटकी हुई है। सूचना के बाद पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया गया। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं जांच के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

दो वर्षों से अधूरी पड़ी पेयजल पाइपलाइन, वार्ड 36 के लोगों ने जलदाय विभाग से लगाई गुहार

मुमन पत्रिका@ नईम अख्तर

सवाई माधोपुर। शहर के असारी मोहल्ला स्थित वार्ड नंबर 36 में पेयजल पाइपलाइन बिछाने का कार्य पिछले दो वर्षों से अधूरा पड़ा होने के कारण स्थानीय लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में क्षेत्रवासी एवं पत्रकार नईम अख्तर ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (PHED) के अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि असारी मोहल्ला स्थित काजी के मकान के सामने पूर्व में सीवरेज कार्य के दौरान पुरानी पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होकर हटा दी गई थी। उसके स्थान पर नई पाइपलाइन बिछाई जानी थी, लेकिन करीब दो वर्षों से यह कार्य लंबित पड़ा है। इसके चलते क्षेत्र के लोगों को नियमित पेयजल आपूर्ति नहीं मिल पा रही है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि भीषण गर्मी के दौर में पानी की समस्या और गंभीर हो गई है। कई बार संबंधित विभाग का ध्यान इस ओर आकर्षित किए जाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो सका है। ज्ञापन में विभाग से मांग की गई है कि वार्ड नंबर 36 में काजी के मकान के सामने नई पेयजल पाइपलाइन बिछाने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाए, ताकि स्थानीय लोगों को पेयजल संकट से राहत मिल सके। स्थानीय नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो जनहित में आंदोलन का रास्ता अपनाया जा सकता है।

मानवता की मिसाल बनी महिलाएं: भीषण गर्मी में पक्षियों के लिए बांधे 15 परिंडे, लगाए घोसले

मुमन पत्रिका

सवाई माधोपुर। भीषण गर्मी के दौर में जहां इंसान ही नहीं बल्कि पक्षी भी पानी की कमी से परेशान हैं, वहीं शहर के बापू नगर खेरदा क्षेत्र की महिलाओं ने संवेदनशील पहल करते हुए पक्षियों के लिए राहत का अभियान चलाया। शिक्षिका कविता मीणा के नेतृत्व में महिलाओं ने क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर 15 परिंडे बांधकर उनमें पानी एवं दाने की व्यवस्था की। साथ ही पक्षियों को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पांच घोसले भी लगाए गए। इस सराहनीय अभियान में बिना देवी, हेमप्रभा शर्मा, मुकेश शर्मा, अनिता देवी सहित कई महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। महिलाओं ने बताया कि भीषण गर्मी में पक्षियों को पानी और भोजन की काफी आवश्यकता होती है, ऐसे में हर व्यक्ति को अपने घर और आसपास पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करनी चाहिए। अभियान के दौरान महिलाओं ने आमजन से पर्यावरण संरक्षण एवं जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाने की अपील भी की। स्थानीय लोगों ने महिलाओं की इस पहल की सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायक कदम बताया।

अज्ञात मृतक का सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार, समाजसेवियों ने निभाई मानवता की मिसाल

मुमन पत्रिका@ नईम अख्तर

सवाई माधोपुर। सेवा परमो धर्मः ग्रुप की ओर से सोमवार शाम खैरदा मोक्षधाम में एक अज्ञात मृतक का सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार किया गया। ग्रुप सदस्य अवधेश शर्मा ने बताया कि तीन दिन पूर्व कोतवाली पुलिस को बोरिफ के पास रेलवे लाइन के निकट एक व्यक्ति का शव मिला था, जिसकी काफी प्रयासों के बावजूद पहचान नहीं हो सकी। इसके बाद सेवा परमो धर्मः ग्रुप के सदस्यों ने मानवता का परिचय देते हुए मृतक के अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी उठाई। समाजसेवी महेश गुप्ता ने मृतक को मुखाग्नि दी तथा अंतिम संस्कार का समस्त खर्च स्वयं वहन किया। इस दौरान मंगल सिंह नरूका, बाबूलाल बैरवा सहित कोतवाली पुलिस स्टाफ भी मौजूद रहा। समाजसेवियों की इस पहल की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

राजकीय एवं अनुदानित छात्रावासों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

मुमन पत्रिका

सवाई माधोपुर, । सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित राजकीय एवं अनुदानित छात्रावासों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। विभाग के उप निदेशक मनोज कुमार गहलोत ने बताया कि जिले में 23 राजकीय एवं 2 अनुदानित सहित कुल 25 छात्रावास संचालित हैं। इन छात्रावासों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, देवनारायण, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं को निःशुल्क आवास, भोजन, पोशाक एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती हैं। राज्य सरकार द्वारा प्रति आवासी 3250 रुपए प्रतिमाह मैस भत्ता भी दिया जा रहा है। प्रवेश के लिए आवेदन एसएसओ पोर्टल sso.rajasthan.gov.in पर एसजेएमएस-एसएमएस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन किए जा सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 30 जून 2026 निर्धारित की गई है। पात्रता के अनुसार परिवार की वार्षिक आय 8 लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए तथा गत कक्षा में न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक होना आवश्यक है।

भाजपा जिला सोशल मीडिया विभाग की नई कार्यकारिणी घोषित

मुमन पत्रिका

सवाई माधोपुर। भारतीय जनता पार्टी जिला सवाई माधोपुर के सोशल मीडिया विभाग की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। संगठन के निर्देशानुसार सारांश जैन को जिला सोशल मीडिया संयोजक नियुक्त किया गया है। वहीं मेहनाज पटेल एवं भागचंद सैनी को जिला सह-संयोजक का दायित्व सौंपा गया है। साथ ही जिले की विभिन्न विधानसभा एवं मंडल स्तर की सोशल मीडिया कार्यकारिणियों की भी घोषणा की गई है। यह नियुक्तियां भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, भाजपा सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश संयोजक हीरेंद्र कौशिक तथा भाजपा जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार की गई हैं। नई कार्यकारिणी का गठन संगठन की विचारधारा, केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा पार्टी की गतिविधियों को सोशल मीडिया के माध्यम से प्रभावी रूप से जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया है। सोशल मीडिया के क्षेत्र में सक्रिय एवं समर्पित कार्यकर्ताओं को संगठन को डिजिटल रूप से और अधिक सशक्त बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सारांश जैन जिला सोशल मीडिया संयोजक

सहसंयोजक मेहनाज पटेल

भागचंद सैनी सहसंयोजक

जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि नई टीम संगठन की नीतियों, कार्यक्रमों एवं उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया वर्तमान समय में संगठन और जनता के बीच संवाद का एक प्रभावी माध्यम है तथा इसके माध्यम से भाजपा की विचारधारा और जनहितकारी कार्यों को व्यापक स्तर पर पहुंचाया जा सकता है।

नवनियुक्त पदाधिकारियों ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने तथा सोशल मीडिया के माध्यम से भाजपा को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प व्यक्त किया। नई कार्यकारिणी के गठन से जिले में भाजपा के डिजिटल जनसंपर्क अभियान को नई गति मिलने की उम्मीद है।

इंजीनियर बेटे संग किसान पिता का कमाल, पॉली हाउस से हर साल 18 लाख की आय

मुमन पत्रिका@ राशिद खान

मलारना डूंगर। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत कृषि विभाग द्वारा पत्रकारों को जिले में जल संरक्षण एवं आधुनिक खेती के सफल मॉडलों का अवलोकन कराया गया। इस दौरान पत्रकारों ने गंभीरा एवं दिवाड़ा गांव में फार्म पॉण्ड और संरक्षित खेती के कार्यों को देखा।

ग्राम दिवाड़ा के प्रगतिशील किसान लखनलाल मीणा ने बताया कि उन्होंने अपने इंजीनियर बेटे जीतराम के सहयोग से राजस्थान संरक्षित खेती मिशन के तहत तीन पॉली हाउस स्थापित किए हैं, जहां खीरा एवं शिमला मिर्च की खेती की जा रही है। खेत में ड्रिप सिंचाई, मल्चिंग शीट एवं फार्म पॉण्ड जैसी जल संरक्षण तकनीकों का उपयोग किया गया है। वर्तमान में उन्हें पॉली हाउस खेती से प्रतिवर्ष 15 से 18 लाख रुपए की आय हो रही है।

वहीं गंभीरा गांव के प्रगतिशील किसान रामसिंह मीणा ने मिश्रित बागवानी मॉडल विकसित कर आम, अमरूद, संतरा, नींबू, कटहल एवं अन्य फलों की खेती को अपनाया है। उन्होंने जैविक खाद एवं वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग कर खेती को लाभकारी बनाया है।

कृषि अधिकारियों ने बताया कि ऐसे नवाचारों से अन्य किसान भी आधुनिक खेती एवं जल संरक्षण के प्रति प्रेरित हो रहे हैं।

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा का मलारना डूंगर दौरा, जल संरक्षण का दिया संदेश

मुमन पत्रिका@ राशिद खान

मलारना डूंगर। राजस्थान सरकार के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा सोमवार को मलारना डूंगर क्षेत्र के दौरे पर रहे। उन्होंने मलारना चौड़ में आयोजित वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के जिला स्तरीय कार्यक्रम में भाग लेकर जल संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा एवं प्राकृतिक खेती को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया।

दौरे के दौरान मंत्री ने नवगठित ग्राम पंचायत माणोली में करीब ढाई करोड़ रुपए की लागत से बनी सड़क का उद्घाटन किया। साथ ही ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

डॉ. मीणा ने कन्हैया दंगल कार्यक्रम में भी शिरकत कर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। वहीं ग्राम पंचायत दिवाड़ा पहुंचने पर ग्रामीणों ने उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान हाथी पर जुलूस निकाला गया, जो आकर्षण का केंद्र रहा।

अपने संबोधन में कृषि मंत्री ने युवाओं से साइबर अपराधों से दूर रहने एवं सोशल मीडिया का सकारात्मक उपयोग करने की अपील की। मंत्री के दौरे को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल रहा।

रेलवे स्टेशन परिसर में नो पार्किंग वाहनों पर आरपीएफ की सख्त कार्रवाई, 169 चालकों पर जुर्माना

मुमन पत्रिका@ नईम अख्तर

सवाई माधोपुर। रेलवे स्टेशन परिसर में सुरक्षा, सुगम यातायात व्यवस्था एवं यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) सवाई माधोपुर द्वारा नो पार्किंग क्षेत्र में खड़े वाहनों के विरुद्ध लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत रेलवे अधिनियम 1989 की धारा 159 के अंतर्गत अनधिकृत रूप से वाहन खड़े करने वाले चालकों पर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। आरपीएफ अधिकारियों के अनुसार वर्ष 2026 में अब तक कुल 169 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। रेलवे स्टेशन के मुख्य प्रवेश एवं निकास द्वार, सर्कुलेटिंग एरिया, यात्री आवागमन मार्गों और अन्य प्रतिबंधित स्थानों पर वाहन खड़े करने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है तथा यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है। यात्रियों और वाहन चालकों को जागरूक करने के लिए रेलवे परिसर में विभिन्न स्थानों पर नो पार्किंग बोर्ड लगाए गए हैं। इसके साथ ही आरपीएफ कर्मियों द्वारा उद्घोषणाओं, व्यक्तिगत समझाइश और जागरूकता अभियानों के माध्यम से भी लोगों को नियमों की जानकारी दी जा रही है। आरपीएफ ने आमजन से अपील की है कि वे अपने दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों को केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़ा करें और रेलवे परिसर में सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत मलारना चौड़ में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

मुमन पत्रिका@ राशिद खान

मलारना डूंगर। राज्य सरकार के वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026 के तहत ग्राम पंचायत मलारना चौड़ स्थित दुर्गा सागर तालाब परिसर में कृषि विभाग द्वारा जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा रहे। कार्यक्रम की शुरुआत वंदे गंगा कलश यात्रा से हुई। इसके बाद जल पूजन, पीपल पूजन एवं पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन एवं पर्यावरण सुरक्षा का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में आयोजित कृषक संगोष्ठी एवं कृषि नवाचार प्रदर्शनी में विशेषज्ञों ने किसानों को प्राकृतिक खेती, सूक्ष्म सिंचाई, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, फसल विविधीकरण एवं आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी दी। साथ ही खरीफ बुआई से पूर्व आवश्यक तैयारियों एवं कम लागत में अधिक उत्पादन के उपाय बताए गए। लोक कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं लोकगीतों के माध्यम से जल संरक्षण एवं पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर, संयुक्त निदेशक कृषि लखपत लाल मीणा, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलेंद्र सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी में बेजुबान पक्षियों के लिए आगे आए राजस्व कर्मी

मुमन पत्रिका@ राशिद खान

मलारना डूंगर। भीषण गर्मी के दौर में बेजुबान पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए मलारना डूंगर तहसील कार्यालय के राजस्व कर्मियों ने सराहनीय पहल की। कर्मचारियों ने तहसील परिसर में करीब दो दर्जन परिंडे बांधकर पक्षियों के लिए पेयजल की व्यवस्था की। राजस्व कर्मियों ने संकल्प लिया कि परिंडों में नियमित रूप से पानी भरकर पक्षियों की प्यास बुझाई जाएगी, ताकि गर्मी के मौसम में उन्हें राहत मिल सके। कर्मचारियों ने आमजन से भी पक्षियों के लिए परिंडे लगाने एवं पानी की व्यवस्था करने की अपील की। इस दौरान ऑफिस कानूनगो पुरुषोत्तम गर्ग, गिरदावर रामदयाल मीणा, अरविंद कुमार, योगेंद्र सिंह, मुकेश मीणा, हेमराज मीणा एवं वेंकटेश गौतम सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

घर से उठाकर थाने ले जाने का आरोप, एडीएम को सौंपा ज्ञापन

मुमन पत्रिका

गंगापुर सिटी। ग्राम जलोखरा निवासी बबलू माली ने पुलिस गश्त दल पर बिना कारण उसे और उसके किरायेदार को घर से उठाकर थाने ले जाने तथा मोटरसाइकिल जब्त करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में उसने अतिरिक्त जिला कलेक्टर गंगापुर सिटी को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन में बताया गया कि 30 मई की रात वह काम से लौटकर अपने मकान की छत पर बैठा था, जबकि उसका किरायेदार दुकान बंद कर रहा था। आरोप है कि इसी दौरान पुलिस गश्त दल मौके पर पहुंचा और दोनों को पुलिस वाहन में बैठाकर थाने ले गया तथा मोटरसाइकिल जब्त कर ली।

पीड़ित का आरोप है कि पुलिस ने गाली-गलौज की और बाद में झूठी रिपोर्ट तैयार कर दी। ज्ञापन के अनुसार दोनों को रात करीब 10 बजे छोड़ा गया तथा जमानत के नाम पर 1500 रुपये लिए गए।

बबलू माली ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, मामले में पुलिस पक्ष की प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी है।

बढ़ती महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

मुमन पत्रिका

गंगापुर सिटी। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी तथा बिजली-पानी की समस्याओं को लेकर सोमवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शहर एवं देहात के संयुक्त तत्वावधान में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने देवी स्टोर चौराहे स्थित कांग्रेस कार्यालय से रैली निकालकर मिनी सचिवालय पहुंचकर नारेबाजी की।

इसके बाद कांग्रेस नेताओं ने एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए पेट्रोल-डीजल एवं रसोई गैस की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण, नियमित पेयजल आपूर्ति तथा निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने की मांग की।

प्रदेश सदस्य मुकेश देहात ने कहा कि बढ़ती महंगाई से आमजन परेशान हैं और कांग्रेस जनता की समस्याओं को लगातार उठाती रहेगी। वहीं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. नवीन खां ने युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी पर चिंता जताते हुए रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती की मांग की।

प्रदर्शन में पीसीसी सदस्य मुकेश शर्मा, अब्दुल बहाव, छोटेलाल व्यास, रविकांत मिश्रा, पार्षद आजाद, महबूब सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्वात्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक फरजाना बानो, अरमान प्रिन्टर्स चौथ का बरवाडा, जिला-सवाई माधोपुर (राज) 322702 से मुद्रित व चौथ का बरवाडा, जिला-सवाई माधोपुर (राज.) 322702 से प्रकाशित, कार्यालय- चतुर्भुज मन्दिर के पास चौथ का बरवाडा जिला सवाई माधोपुर (राज.) 322702 मोबाईल नं. 8209536639